श्री. सैफुद्दीन सोज : यह कार्य मंत्रणा समिति को नहीं जा सकता है। मैं अपने स्थगन प्रस्ताव के लिए कह रहा हूं... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब कृपया अपना स्थान ग्रहण करें। मैंने कहा था कि आप नये नोटिस दे सकते हैं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : स्थगन प्रस्ताव नहीं। मान लिया कि आप नियम 193 के अन्तर्गत नोटिस देते हैं तो उस पर विचार किया जा सकता है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं स्थगन प्रस्ताव की बात नहीं कर रहा हूं। मैंने स्थगन प्रस्ताव रद्द कर दिया है।

श्री. सैफुद्दीन सोज : लेकिन आपने मुझे कभी भी नहीं बताया। मुझे इस प्रकार सूचित नहीं किया जा सकता।

अध्यक्ष महोदय : यह मेरा अन्तिम विनिश्चय है। हां, प्रधान मन्त्री महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : शर्मा जी, अब हमें प्रधान मंत्री को सुनना चाहिए। मैं आपको इजाजत नहीं दे रहा हूं...

(व्यवधान)

[हिन्दी]

शर्मा जी, आप बैठ जायें। मैं आपको इजाजत नहीं दे रहा हूं। आप बैठ जाइए।

1.34 म. प.

प्रधान मंत्री द्वारा वक्तव्य

हरियाणा में हाल की घटनाएं

प्रधान मंत्री (श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) : महोदय, कल सदन का मुद्दा उठाया गया था। विपक्ष के नेता ने यहां सभा में कहा था कि सदन में इसका निर्णय यहां और अभी बताया जाये। इन शब्दों में उन्होंने मुझसे कहा था। मैंने फिर कहा था कि मैं इस मामले को मंत्रिमंडल में उठाऊंगा और फिर आज पुनः सभा में आऊंगा। यह मेरा कर्तव्य है कि मैं सभा में आऊं और रिपोर्ट दूं। महोदय, मैं सभा को बताना चाहूंगा कि जनता दल अध्यक्ष, श्री बोम्बई ने हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला से आग्रह किया है कि हाल की घटनाओं को देखते हुए उन्हें इस पद की गरिमा को बनाये रखने के लिए और उन लोकतान्त्रिक मूल्यों को बनाये रखने के लिए जिनके प्रति जनता दल वचन बद्ध है मुख्य मंत्री पद से हट जाना चाहिए। हरियाणा के मुख्य मंत्री ने उन्हें कहा

था कि दल के एक अनुशासित सदस्य के नाते वह दल के अध्यक्ष की सलाह पर चलेंगे और तत्काल पद छोड़ देंगे, मुझे अभी बताया गया कि श्री बोम्मई को श्री चौटाला का त्यागपत्र प्राप्त हुआ है और वह इसे हरियाणा के राज्यपाल के पास भेज रहे हैं। मुझे यह भी बताया गया कि नये नेता को चुनने के लिए कल जनता दल की हरियाणा शाखा की बैठक होगी और कल हरियाणा में नयी सरकार होगी। हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री चौटाला और जनता दल ने सार्वजनिक जीवन की उच्च परंपराओं को बनाये रखने के लिए और वहां बहुसंख्या में होने के बावजूद तथा इस बात के बावजूद कि वह चुने गये हैं और निश्चित रूप से पांच साल तक पद पर बने रह सकते हैं लेकिन लोकतान्त्रिक परंपराओं को बनाये रखने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री ने अपना त्यागपत्र दिया और मैं समझता हूं कि हमें उन्हें धन्यवाद देना चाहिए। (व्यवधान) इसलिए महोदय, जनता दल अध्यक्ष श्री बोम्मई की अपील पर उन्होंने यह सब किया। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री साठे प्रधान मंत्री नहीं मान रहे हैं।

(व्यवधान)

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : श्री साठे जी, मैं आपके उत्साह को जानता हूं। इसे तब तक रोक दीजिए जब तक कि इसे प्रयोग में लाया जाए। मैं जानता हूं कि इसका सदुपयोग होगा, यद्यपि ऐसा इस समय नहीं हो सकता परन्तु ऐसा होगा। बात यह है, कि जहां तक किसी कार्यवाही आदि का सम्बन्ध है, सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश जांच कर रहे हैं और सभी जांच के आदेश दे दिये गये हैं। जांच प्रारम्भ कर दी गयी है। जहां तक किसी कार्यवाही का सम्बन्ध है, वास्तव में, इसकी छानबीन हो रही है। (व्यवधान)

यह मुद्दा राजनैतिक और नैतिक था। मैंने पहले दिन ही इस में कह दिया था कि यदि एक भी लोकतान्त्रिक आदर्श को बनाए रखने का प्रश्न आता है तो हम उस आदर्श को त्यागने की बजाय सत्ता छोड़ने को तैयार हैं। हम उन राजनैतिक परम्परा के नहीं है कि सरकार को बरकरार रखने के लिए सभी लोकतान्त्रिक सिद्धान्तों को छोड़ दें, जैसा कि हमने विगत पांच वर्षों में देखा है। (व्यवधान)

महोदय, मैं इस विषय में बिल्कुल स्पष्ट हूं। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्रीमती सुभाषिनी अली, अपना स्थान ग्रहण कीजिए। प्रधान मंत्री बोल रहे हैं। श्री शर्मा बैठ जाए।

(व्यवधान)

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : महोदय, मैं इस विषय में बिल्कुल स्पष्ट हूं। (व्यवधान) कृपया मुझे भाषण समाप्त करने दीजिए। मैं केवल कुछ ही शब्द कहना चाहता हूं।

मैं इस विषय में बिल्कुल स्पष्ट हूं। यदि हमारे अन्दर व्यवस्था को बदलने और मूल्यों पर आधारित व्यवस्था कायम करने का साहस है तो इसके लिए हमें केवल एक सरकार में रहकर ही नहीं बल्कि अनेक सरकारों में रहकर भी परीक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए। अतः वे परिवर्तन और सुधार के लिए एक उत्प्रेरक का कार्य करते है और हम उस साहस को प्रदर्शित करने के लिए तैयार हैं। हमारे अन्दर साहस है क्योंकि हम जनता से निकलकर आये है। हमने लड़ाई की है, संघर्ष किया है और तब आये है। और यदि वह इन मूल्यों के रास्ते में आता है तो हम पुनः जनता

के सामने जायेंगे, संघर्ष करेंगे और वापिस सत्ता में आकर इस व्यवस्था को कायम करेंगे। अतः हम किसी भ्रम में नहीं हैं कि हम यहां चिपकू व्यक्तियों की तरह चिपके रहेंगे। (व्यवधान) चिपकने वालों के दिन बीत गये हैं। जनता ऐसे व्यक्तियों के प्रति जागरूक हो गयी है यहां कोई भी चिपकू नहीं है। (व्यवधान)

यद्यपि, विश्वास कीजिए इस सरकार को खतरा नहीं है, भले ही आपकी इच्छा कुछ भी हो। परन्तु हम अपने सिद्धान्तों का पालन करते हुए किसी भी प्रकार के परिणामों का सामना करने के लिए तैयार हैं। (व्यवधान) बस एक बात। श्री साठे और अकबर साब भी अपने अन्दर झांककर देखिए। पिछली बार जब आप खड़े हुए थे तो कहा था, 'कि अमेठी के मामले की जांच सर्वोच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश से क्यों न कराई जाए?' मैं पूछता हूं कि जैसे श्री चौटाला ने इस्तीफा दे दिया है वैसे ही अमेठी की हिंसा के लिए श्री राजीव गांधी को इस्तीफा दे देना चाहिए और पुनः चुनाव लड़ना चाहिए। इसके लिए आगे आइए। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया व्यवस्था बनाए रखें। बैठ जाएं। मैं खड़ा हूं।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बैठ जाएं। अध्यक्ष खड़े हैं।

(व्यवधान)

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : महोदय, मैं इस सभा में अभी विपक्ष के नेता से जवाब चाहता हूं। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया, आप सभी बैठ जाएं।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया बैठ जाएं।

(व्यवधान)

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय : पहले आप बैठ जाएं।

(व्यवधान)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : मैं खड़ा हूं अब आपको बैठ जाना चाहिए। कृपया बैठ जाएं।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कार्यवाही वृत्तान्त में कुछ भी सम्मिलित न किया जाए।

(व्यवधान)*

---

*कार्यवाही वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।